

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	चैत्र 16, शुक्रवार, शाके 1946-अप्रैल 05, 2024 Chaitra 16, Friday, Saka 1946- April 05, 2024	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, फरवरी 05, 2024

संख्या प. 2(2)वन/2024 :-चुकिं निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वामित्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वामित्वधारी (Entitled) है।

और चुकिं पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध ही किये गये हैं। और चुकिं सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है। परन्तु चुकिं इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती हैं। तथ ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जावेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11(1) 12,13,14,17,18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखों के सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी। और न उस पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के ये वृक्ष संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं। राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रथम अनुसूची										
क्र.स.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा			विवरण			
				दिशा	भूमि	खसरा नं.	नाम ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल (बीघा में)	क्षेत्रफल (हे० में)
1	रक्षित वनखण्ड- माधोपुर	झालरा पाटन	झालावाड	पूर्व	वनभूमि	45	माधेपुर	44/254	06 बीघा 02बीस्वा	1.5727
				पश्चिम	राजस्व भूमि	44/275				
				उत्तर	वन भूमि	44/255				
				दक्षिण	राजस्व भूमि	44/275				
योग									6-2	1.5427

हस्ताक्षर

(हेमराज सिंह)

क्षेत्रीय वन अधिकारी

झालावाड़

हस्ताक्षर

(वी. चेतन कुमार I.F.S.)

उप वन संरक्षक

झालावाड़

द्वितीय अनुसूची रक्षित वनखण्ड माधोपुर
पेडों की सूची

क्र.स.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी का नाम
1	Azadirachta indica	नीम
2	Holoptelia integrifolia	चुरेल
3	Acacia leucophloea	रोंझ
4	Butea Monosperma	पलाश
5	Ziziphus Muaritia	बोर
6	Anogeissus Pendula	धोंक
7	Diospyros meanoxylon	तेन्दु
8	Acacia nilotica	देशी बबूल
9	Milletia Pinnata	करज
10	Dendrocalamus strictus	बांस

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

(हेमराज सिंह)

(वी. चेतन कुमार I.F.S.)

क्षेत्रीय वन अधिकारी

उप वन संरक्षक

झालावाड़

झालावाड़

कार्यालय उप वन संरक्षक झालावाड़

प्रमाण पत्र

जिला :-झालावाड़
 रेंज :- झालावाड़
 ग्राम :-माधोपुर
 मण्डल :-झालावाड़.
 रक्षित वनखण्ड :-माधोपुर

1. संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण राजस्व रिकॉर्ड में वन विभाग के नाम दर्ज है। जिसे विज्ञप्ति में विस्तृत रूप में खसरा नम्बर का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में महकमा जंगलात के नाम दर्ज है। मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराना है। इसमें कोई अतिक्रमण अथवा अवैध खनन कार्य नहीं हो रहा है। इस क्षेत्र राजस्व जमाबन्दी में महकमा जंगलात कर दिया है।
3. भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.0 से 0.2 है।
4. समीपवर्ति स्थित क्षेत्र राजस्व सीमा एवं वन भूमि है। तथा चारों ओर की सीमाओं का उल्लेख विज्ञप्ति में कर दिया है।
5. वनखण्डों का वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है। एवं विज्ञप्ति में दिखाई सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित क्षेत्र को जी.टी. शीट पर चिह्नित किया जाकर प्रस्ताव के साथ संलग्न किया गया है।
6. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है। जिससे कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
7. राजस्व अभिलेखों में अमल दरामद वन विभाग के नाम हो रहा है।
8. उपरोक्त वनखण्ड अन्तर्गत खननप्रकरण मो. सलीम के खान के कलस्टर के बदले आई राजस्व भूमि है जिसका अमल दरामद वन विभाग के नाम हो चुका है।
9. आज दिनांक 31.08.2023 तक इस भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है एवं न ही प्रकाशन हेतु प्रस्ताव प्रेषित किये गये हैं।

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

(हेमराज सिंह)

(वी. चेतन कुमार I.F.S.)

क्षेत्रीय वन अधिकारी

उप वन संरक्षक

झालावाड़

झालावाड़

 राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।